अनसूया कुलकर्णी

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
कर्नाटक गायन संगीत

ANASUYA KULKARNI

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Carnatic Vocal Music

कर्नाटक के मैसूर में 10 मई 1936 को जन्मी, श्रीमती अनसूया कुलकर्णी ने कर्नाटक गायन में अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण गणकलारत्न विद्या सागर आर. आर. केशवमूर्ति से प्राप्त किया। बाद में, संगीत कलानिधि मैसूर टी. चौदिया के संरक्षण में आपने अपनी कला को निखारा और उस्ताद मोहम्मद हुसैन सरहंग से हिंदुस्तानी गायन शैली का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। आपने अन्नामलाई विश्वविद्यालय से संगीत में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है। आप अपनी युवावस्था में एक लोकप्रिय गायिका और आकाशवाणी की 'ए' श्रेणी की कलाकार हुआ करती थीं।

इंडोनेशियाई बांस वाद्य 'अंगक्लुंग' की आप विशेषज्ञ वादक हैं और आप ही के प्रयासों से यह वाद्य कर्नाटक संगीत का अंग बना है। श्रीमती अनसूया ने देश–विदेश के प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपने कई छात्रों को इस वाद्य के वादन का प्रशिक्षण भी दिया है।

श्रीमती अनसूया कुलकर्णी ने विभिन्न संस्थानों में व्याख्यान–प्रदर्शन दिए हैं, कई पुस्तकों की रचना की है, और विभिन्न पत्रिकाओं के लिए लेख भी लिखे हैं। आपने कई कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन भी किया है। आप भारतीय ललित कला सोसायटी (सिंगापुर) सहित अभिलेखीय परियोजनाओं में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के लिए प्रलेखन कार्य भी किया है। आपने एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विभिन्न देशों के विभिन्न संगीत स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पढ़ाया है। आपके पास विश्व के 300 से अधिक संगीत वाद्यों का संग्रह है जिन्हें आप बजा भी सकती हैं।

आपको कर्नाटक कलाश्री (1996–97) जैसी कई प्रतिष्ठित उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

कर्नाटक गायन संगीत में योगदान के लिए श्रीमती अनसूया कुलकर्णी को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 10 May 1936 at Mysore in Karnataka, Shrimati Anasuya Kulkarni received her initial training in Carnatic vocal music from R.R. Keshava Murthy. Later, she groomed her art under the tutelage of Mysore T. Chowdiah and received training in Hindustani vocal music from Mohammed Hussain Sarahang. She has earned Doctorate in Music from Annamalai University. She was a popular singer in her youth, and an 'A' grade artist of All India Radio.

An expert in playing the 'Angklung'— an Indonesian bamboo instrument specially adopted for Carnatic music by her, Shrimati Anasuya has performed in innumerable prestigious concerts and music festivals in India and abroad. She has also trained many students to play this unique instrument.

Shrimati Anasuya Kulkarni has given lecture demonstrations at various organizations, published several books and articles, conducted many workshops and seminars, and has documented and worked for a number of national and international level institutions in archival projects including Indian Fine Arts Society (Singapore). She has taught in various music schools and universities in various countries under Exchange Programmes. She has a collection of more than 300 different musical instruments from all over the world which she can play as well.

Shrimati Anasuya Kulkarni has been honoured with many prestigious titles and awards such as the Karnataka Kalashree (1996-97).

Shrimati Anasuya Kulkarni receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for her contribution to Carnatic vocal music.